कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड

हिन्दी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में निर्धारित 2020
चार वर्षीय स्नातक पाठयक्रम

KOLHAN UNIVERSITY, CHAIBASA
JHARKHAND

As per guidelines by the Department of Higher & Technical Education, Government of Jharkhand, vide letter no- JSHEC/NEP- 04/2024, The four year undergraduate Programmers (FYUGP) in Jharkhand aligned with the revised guidelines and NEP 2020 has been transformative for Four Year undergraduate Programme (FYUGP) Curriculum and credit frame work in according to State Universities of Jharkhand Regulation 2024 in the Subject of Hindi for implementation of different Colleges under Kolhan University (Chaibasa) from Academic session 2025-26 & onwards.

FYUGP Course, Curriculam and credit frame work for Semester I &II in the subject of Hindi

UNIVERSITY DEPARTMENT OF HINDI
Kolhan University, Chaibasa-833202
Jharkhand

University Department of Hindi, Kolhan University, Chaibasa. Course of Study for year under graduate Programme (FYUGP) in State Universities of Jharkhand Regulation -2024, in the subject Hindi for implementation of different colleges under Kolhan University from Academic session 2025-26& onwards.

The Four Year Undergraduate Programme (FYUGP) in Jharkhand aligned with the revised guidelines and NEP-2020 has been transformative initiatives for Four year undergraduate Programme (FYUGP) currculum and credit framework. In connecting as per guidelines by the Department by the Department of Higher and Technical Education, Government of Jharkhand, vide letter no- JSHEC/NEP-04, as the same directed by the DSW, Kolhan University, Chaibasa. The following Board of studies (BOS) members (University Department of Hindi) were prepared the curriculum and Credit frame work in the subject of Hindi for implementation of four year under Graduate Programme (FYUGP) in state Universities of Jharkhand Regulations-2024.

1) **Dr. Bharti Kumari**
   Head, University Department of Hindi **(Chairman)**
   Kolhan University, Chaibasa

2) **Prof. (Dr.) Ratnesh Vishvaksen**
   Head, Department of Hindi **(Subject Expert)**
   Central University of Jharkhand
   Cheri-Manatu, Ranchi 835222

3) **Prof. Santosh Kumar**
   Associate, Prof. Department of Hindi **(Member)**
   Kolhan University, Chaibasa

4) **Dr. Sriniwash Kumar**
   Prof. In-Charge Department of Hindi **(Member)**
   J.L.N. College Chakradharpur

5) **Dr. Kishor Sahu**
   HOD, Depaertment of Hindi **(Member)**
   Tata College, Chaibasa

6) **Dr. Suprabha Tuti**
   HOD, Department of Hindi **(Member)**
   Kashi Sahu College Saraikela

7) **Dr. Suchita Bara**
   HOD, Department of Hindi **(Member)**
   Mahila College, Chaibasa

Kolhan University, Chaibasa
Semester wise Course Code and Credit Point
For Undergraduate Programme (NEP, FYUGP 2020)
Subject of Hindi. (Semester - I&II)
INDEX

Semester	Common, Introductory, Major, Minor, Vocational & Internship Courses			
	Code	Papers	Credits	
			Paper	Semester
I	AEC-1	Language and Communication Skills (MIL-1 Hindi Composition)	2	20
	VAC-1	Value Added Course-1	2	
	IKS-1	Indian Knowledge Systerm-1/Social Awareness Activities	2	
	SEC-1	Skill Enhancement Course-1	3	
	MDC-1	गद्य –पद्य साहित्य एवं संप्रेषण	3	
	AC-1	सृजनात्मक लेखन	4 4	
	MJ-1	आदिकाल से पूर्व मध्यकाल तक (इतिहास एवं रचनाएँ)	2	
II	AEC-2	Language and Communication Skills (English)	2	20
	VAC-2	Value Added Course-2	2	
	IKS-2	Indian Knowledge System-2/Social Awareness Activities	3	
	SEC-2	Skill Enhancement Course-2	3	
	MDC-2	गद्य –पद्य साहित्य एवं संप्रेषण	3	
	AC-2	सृजनात्मक लेखन	4	
	MJ-2	आदिकाल से उत्तर मध्यकाल तक (रीति काल) –इतिहास व रचनाएं	4	

सेमेस्टर–I

Semester -1

AEC-1	**2 Credits**
पत्र – हिन्दी भाषा एवं व्याकरण कौशल	

Marks : 50 (ESE: 1.5 Hrs) = 50	Pass Marks : Th (SIE)= 20

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective) :–

- हिन्दी व्याकरण के स्वरूप से अवगत कराना।
- हिन्दी साहित्य के संदर्भ में ईदगाह कहानी में अभिव्यक्त लेखकीय दृष्टि का परिचय कराना।
- भाषायी त्रुटियों को दूर करना।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):-

- ईदगाह कहानी का अध्ययन कर विद्यार्थी त्याग, मानवीय मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों से अवगत हो सकेंगे।
- हिन्दी व्याकरण से भाषा को समझ कर प्रभावी ढ़ंग से उपयोग कर सकेगें।
- व्याकरण से शैक्षाणिक और पेशेवर सफलता के महत्त्व को समझ सकेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई–1

स्वर तथा व्यंजन — **15 Lec. Hours**
संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण
उपसर्ग, प्रत्यय, पर्यायवाची, विलोम शब्द
संधि, समास

इकाई–2 — **15 Lec. Hours**

- कहानी – ईदगाह (प्रेमचंद)
- अपठित गद्यांश

समसत्र परीक्षा एवं अंको का वितरणः–

समसत्रांत परीक्षा : 50 अंक

समूह अ

1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x10=10)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
   (दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने है)

समूह – ब

1. तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्न (10x3=30)
2. (दिये गये छः प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

अनुशंसित पुस्तकेंः

1. **आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – वासुदेव नंदन प्रसाद**
2. **वृहद व्याकरण भास्कर – डॉ. वचनदेव कुमार**
3. **वृहद निबंध भास्कर – डॉ. वचनदेव कुमार**
4. **सुबोध हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. श्याम नंदन शास्त्री**
5. **ईदगाह –प्रेमचंद**
6. **प्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धान्त और स्वरूप – सुरेश कुमार**

Semester -1

MDC -1 / 2/3	**3 Credits**
पत्र – गद्य पद्य साहित्य एवं संप्रेषण	**F.M.75 P.M.30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(**Course Objective**) :–

1. गद्य का उद्देश्य है सूचना देना, वर्णन करना, या तर्क करना– इन बिन्दुओं के महत्त्व से परिचित कराना।
2. पद्य द्वारा भावनाओं, मनोदशा या चिंतन को जगाना।
3. विद्यार्थियों को प्रभावी ढंग से संवाद करने की कला और कौशल को परिचित कराना।
4. विचारों, भावनाओं और सूचनाओं को व्यक्त कराना।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम **(Course Learning Outcomes):-**

- चयनित कहानियों, उपन्यास, कविताओं की कला भूमि से गुजरते हुए सौंदर्य बोध, साहित्य बोध एवं मूल्यबोध कर सकेंगे।
- संप्रेषण का अधिगम एक सतत प्रक्रिया है और इसमें निरंतर अभ्यास और सीखने की आवश्यकता को विद्यार्थी समझ सकेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई–1 **15 Lec. Hours**

- कहानी– प्रेमचंद–नमक का दरोगा, सुदर्शन– हार की जीत , ममता कालिया–दूसरा देवदास

इकाई – 2 **15 Lec. Hours**

- उपन्यास – उषाप्रियंवदा –रूकोगी नहीं राधिका

इकाई – 3 **15 Lec. Hours**

- कविताएँ –
- माखनलाल चतुर्वेदी– पुष्प की अभिलाषा,
- निराला –भिक्षुक
- मैथिलीशरण गुप्त–नर हो, न निराश करो मन को
- हरिवंश राय बच्चन – जो बीत गई सो बात गई

इकाई– 4 – संम्प्रेषण **15 Lec. Hours**

- संप्रेषण अवधारणा और महत्व
- संप्रेषण : प्रकार माध्यम एवं तकनीक

नोटः– **(Sem-1, Sem-2, Sem-3** में से किसी एक सेमेस्टर में **MDC** का उपरोक्त पाठ्यक्रम का अध्ययन विद्यार्थी करेंगे। **MDC** पत्र की आंतरिक परीक्षा नहीं होती है।)

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण
समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
   (दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)
3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)
   (दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

अनुशंसित पुस्तकें:

- सम्प्रेषण : प्रतिरूप एवं सिद्धांत : श्रीकांत सिंह
- संप्रेषण : चिंतन और दक्षता : डॉ. मंजु मुकुल
- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- हिन्दी उपन्यास का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- कहानी नई कहानी, नामवर सिंह लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- संप्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धान्त और स्वरूप –सुरेश कुमार

Semester -1

AC-1	**4 Credits**
पत्रः सृजनात्मक लेखन	**Full Marks: 75+25= 100 Pass Marks :40**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective) :–

- इस पाठ के द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारना और उनकी कल्पना शक्ति को विकसित करना।
- कला और साहित्य, क्षेत्र में मौलिक उपस्थापन करने में सक्षम बनाना।
- दूरदर्शन के समाचार और धारावाहिक के साथ ही फिल्म संवाद लेखन की कला में पारंगत कराना।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):-

- शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आयामों का उद्घाटन कर सकेंगे।
- मोबाइल के माध्यम से अपने सृजनात्मक कौशल को विकासित कर पाएंगे।
- चित्रकला, मूर्तिकला, फोटोग्राफी, इन्स्टालेशन, नृत्य–संगीत, कविता कहानी, नाटक, संस्मरण एवं रेखाचित्र रिपोर्ताज रचना में समर्थ हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई–1 **15 Lec. Hours**

- सृजनात्मकता का अर्थ व परिभाषा
- सृजनात्मक लेखन का अर्थ, परिभाषा व स्वरूप

इकाई–2 **15 Lec. Hours**

सृजनात्मक लेखन के तत्व

इकाई–3 **15 Lec. Hours**

सृजनात्मक लेखन के विविध रूप–1

कविता, कहानी, नाटक, संस्मरण, रेखाचित्र

इकाई–4 **15 Lec. Hours**

सृजनात्मक लेखन विविध रूप –2
धारावाहिक, फिल्म संवाद, कार्टून

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1 पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2 दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3 चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)
(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)
(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम
2. रचनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह
3. सृजनात्मक लेखन – राजेन्द्र मिश्र
4. संचार भाषा हिंदी – सूर्य प्रसाद दीक्षित

Semester 1

MJ 1: **4 Credits**

हिन्दी साहित्य : आदिकाल से पूर्व मध्यकाल तक (इतिहास एवं रचनाएँ)

Full Marks: 75+25= 100 Pass Marks :40

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(**Course Objective**) **:–**

- साहित्य के इतिहास की अवधारणा एवं इतिहास– दृष्टि से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिन्दी साहित्येतिहास के आरंभिक तीन काल खंडो की पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियों आदि को विद्यार्थियों के लिए बोधगम्य बनाना।
- काव्य के साथ साहित्येतिहास की प्रवृत्तिमूलक, समसायिक एवं वर्तमान अर्थवत्ता से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम **(Course Learning Outcomes):-**

- हिन्दी साहित्य के इतिहास को विद्यार्थी व्यावहारिक स्तर पर समझ पाएंगे।
- साहित्य की वस्तुगत ही नही, उद्देश्यपरक औचित्य से परिचित होंगे।
- हिन्दी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई–1 **15 Lec. Houns**

- हिन्दी साहित्येतिहास लेखन परंपरा
- हिन्दी साहित्येतिहास में काल विभाजन एवं नामकरण

इकाई–2 **15 Lec. Houns**

- आदिकाल–समय–सीमा, नामकरण
- आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- आदिकालीन साहित्य – सिद्ध, नाथ, जैन, रासो साहित्य
- विद्यापति – बड़ सुख सार पाओल तुअ तीरे
- अमीर खुसरो – पहेलियाँ

इकाई– 3 **15 Lec. Houns**

भक्तिकाल–भक्तिकाल पृष्ठभूमि, भक्ति का उदय और भक्ति आंदोलन
निर्गुण एवं सगुण काव्य की प्रवृत्तियाँ
कबीरदास – गुरूदेव कौ अंग
जायसी – पद्मावत के स्तुति खंड से दो पद–

- 'सुमिरो आदि एक करतारू'
- 'कीन्हेसि सात समुन्द अपारा'

इकाई– 4 **15 Lec. Houns**

तुलसीदास – विनय पत्रिका (पद संख्या 3,18,22)

- मन पछितैहैं अवसर बीते
- केशव! कहि न जाइ का कहिये।
- तू दयालु, दीन हौं, तू दानि हौं भिखारी

सूरदास – भक्ति एवं विरह के पद

1. चरण–कमल बंदौ हरिराई। } भक्ति के पद
2. अविगत गति कछु कहत न आवै } भक्ति के पद
3. पथिक! संदेसों कहियो जाय } विरह पद
4. हमारे हरि हारिल की लकरी } विरह पद
5. निर्गुन कौन देस वासी ? } विरह पद

मीराबाई – (पद संख्या –6,10,13)

- मन रे परसि हरि के चरन
- मेरे तो गिरधर गोपाल, पद
- बसो मेरे नैनन में नन्दलाल

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण
समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (**1x5=5**)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (**5x2=10**)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (**15x4=60**)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक
लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (1x5=05)

(दिये गये दो प्रश्नो में से एक प्रश्न के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादकः डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली।
3. मध्यकालीन काव्य चिंतन और संवेदना : डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय।
4. कबीर की विचारधारा : डॉ. गोविंद त्रिगुणायक।
5. विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह।
6. जायसी : डॉ. विजयदेव नारायण साही।
7. काव्य कलश : संम्पादक – डॉ. मंजु ज्योत्सना, डॉ. नागेश्वर सिंह, डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी
8. मध्यकालीन काव्य : मुरलीधर श्रीवास्तव, विनय कुमार
9. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. पृथ्वीराज रासो की भाषा – डॉ. नामवर सिंह
11. मीरा का काव्य संपादक विश्वनाथ त्रिपाठी

सेमेस्टर–II

Semester -2

AC-2	**4 Credits**
पत्रः सृजनात्मक लेखन	**Full Marks: 75+25= 100 Pass Marks :40**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective) :–

- इस पाठ के द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारना और उनकी कल्पना शक्ति को विकसित करना।
- कला और साहित्य, क्षेत्र में मौलिक उपस्थापन करने में सक्षम बनाना।
- दूरदर्शन के समाचार और धारावाहिक के साथ ही फिल्म संवाद लेखन की कला में पारंगत कराना।

पाठ्यक्रम के अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):-

- शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आयामों का उद्घाटन कर सकेंगे।
- मोबाइल के माध्यम से अपने सृजनात्मक कौशल को विकासित कर पाएंगे।
- चित्रकला, मूर्तिकला, फोटोग्राफी, नृत्य–संगीत, कविता कहानी, नाटक, संस्मरण एवं रेखाचित्र रचना में समर्थ हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई–1 **15 Lec. Hours**

- सृजनात्मकता का अर्थ व परिभाषा
- सृजनात्मक लेखन का अर्थ, परिभाषा व स्वरूप

इकाई–2 **15 Lec. Hours**

सृजनात्मक लेखन के तत्व

इकाई–3 **15 Lec. Hours**

सृजनात्मक लेखन के विविध रूप–1

कविता, कहानी, नाटक, संस्मरण, रेखाचित्र

इकाई–4 **15 Lec. Hours**

सृजनात्मक लेखन विविध रूप –2
धारावाहिक, फिल्म संवाद, कार्टून

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

4 पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

5 दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

6 चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)
(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)
(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

5. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम
6. रचनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह
7. सृजनात्मक लेखन – राजेन्द्र मिश्र
8. संचार भाषा हिंदी – सूर्य प्रसाद दीक्षित

Semester -2

MJ- 2 **4 Credits**

पत्र – हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) –रचनाएँ एवं इतिहास

Full Marks: 75+25= 100 Pass Marks :40

पाठ्यक्रम का उद्देश्य**(Course Objective) :–**

- साहित्य के इतिहास दृष्टि से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- रीतिकालीन कवियों के समसामयिक सरोकार एवं वर्तमान अर्थवता के सन्दर्भ में आलोचना के प्रतिमानों से अवगत कराना।
- रीतिकालीन पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियों आदि से विद्यार्थियों के लिए बोधगम्य बनाना।
- धर्म, भक्ति एवं कर्मकांड के अंतर को ऐतिहासिक संदर्भ में विश्लेषित करना।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम **(Course Learning Outcomes):-**

- रीतिकालीन काव्य स्वरूप और उसकी सामाजिक उपादेयता समझ पाएंगे।
- कवियों की रचना धर्मिता की समझ विकसित होगी।
- काव्य की समाज शास्त्रीय समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई– 1 **15 Lec. Hours**

(क) हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल

पृष्ठभूमि, समय –सीमा, नामकरण रीतिकालीन की परिस्थितियाँ, विशेषताएँ

इकाई– 2 **15 Lec. Hours**

रीतिकालीन काव्यधाराओं का सामान्य परिचय–
रीतिबद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ
रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ
रीतिसिद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई– 3 रीतिकालीन कवियों के काव्य **15 Lec. Hours**

बिहारी के दोहे–काव्य कलश (1,7,11,12,14)

1. मेरी भव बाधा हरो
2. कहत, नटत, रीझत
3. या अनुरागी चित्त की
4. दृग उरझत, टूटत कुटुम
5. नहिं पराग नहिं मधुर मधु

(ख) मतिराम–(सामान्य परिचय)

इकाई– 4 **15 Lec. Hours**

(ग) भूषण–(सामान्य परिचय)

(घ) घनानंद : सवैया– 2,4 और 9,

2 मीत सुजान अनीति करो जिन
4 तब तो छबि पीवत जीवत हे
9 परकाजहि देह कों धारि
कवित्त– 1और 5 (1) छबि को सदन (5) कारी कूर कोकिला

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण
समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)
3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)
(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक
लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)
2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)
(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल
2. बिहारी का नवमूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह
3. भूषण–राजमल बोरा
4. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन –रामकुमार वर्मा
5. देव और बिहारी – कृष्ण बिहारी मिश्र
6. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेंद्र
7. मध्यकालीन काव्य : डॉ. विनय कुमार, डॉ. मुरलीधर श्रीवास्तव
8. काव्य कलश : संपादक – डॉ. मंजु ज्योत्सना, डॉ. नागेश्वर सिंह, डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी